

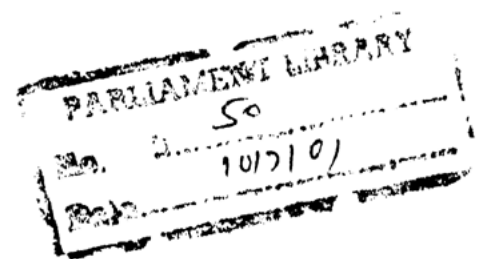
# लोक सभा वाद-विवाद (हिन्दी संस्करण)

छठा सत्र

(तेरहवीं लोक सभा)



सत्यमेव जयते



(खण्ड 15 में अंक 11 से 21 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय  
नई दिल्ली

मूल्य : पचास रुपये

## सम्पादक मण्डल

गुरदोप चन्द मलहोत्रा  
महासचिव  
लांक सभा

डा० (श्रीमती) परमजीत कौर सन्धु  
संयुक्त सचिव

पी०सी० चौधरी  
प्रधान मुख्य सम्पादक

शारदा प्रसाद  
मुख्य सम्पादक

डा० राम नरेश सिंह  
वरिष्ठ सम्पादक

पीयूष चन्द्र दत्त  
सम्पादक

**विषय-सूची**

[ त्रयोदश माला, खंड 15, छठा सत्र, 2001/1923 (शक) ]

अंक 20, गुरुवार, 22 मार्च, 2001/1 चैत्र, 1923 (शक)

**विषय**

सभा में निरन्तर व्यवधान के कारण कोई कार्य नहीं हो पाया।

**कॉलम**

1-2

## लोक सभा वाद-विवाद

लोक सभा

गुरुवार, 22 मार्च, 2001/1 चैत्र, 1923 (शक)

लोक सभा पूर्वाह्न 11 बजे समवेत हुई।

[अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए]

(व्यवधान)

(इस समय श्री बूटा सिंह और कुछ अन्य माननीय सदस्य आए और सभा पटल के निकट खड़े हो गए।)

(व्यवधान)

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय : यह क्या है ? आप रोजाना इसी तरह वैल में आ जाते हैं।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्वेश्चन आवर तो चलने दीजिए।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रोजाना आप ऐसा ही करते हैं। ऐसा कैसे चलेगा ?

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया अपने-अपने स्थानों पर वापस जाइए।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्वेश्चन आवर पब्लिक इम्पोर्टेंस का आवर है। मेरी रिक्वेस्ट है कि क्वेश्चन आवर को तो चलने दीजिए।

(व्यवधान)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : अब सभा कल 23 मार्च, 2001 को पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत होने के लिए स्थगित होती है।

पूर्वाह्न 11.03 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा शुक्रवार, 23 मार्च, 2001/

2 चैत्र, 1923 (शक) के पूर्वाह्न ग्यारह

बजे तक के लिए स्थगित हुई।

---

---

© 2001 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (नौवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के अंतर्गत प्र  
और इंडियन प्रेस, नई दिल्ली-110033 द्वारा मुद्रित।

---

---